लखनऊ। नारी शिक्षा निकेतन महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह(30 अक्टूबर से 5 नवंबर 23) के अंतर्गत एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, प्रतियोगिता को सतर्कता महानिदेशालय, भारत सरकार की क्षेत्रीय इकाई GST, अलीगंज लखनऊ द्वारा प्रायोजित किया गया। प्रतियोगिता के विषय थे, 'भ्रष्टाचार को रोकने में सतर्कता का महत्व', 'ह्विसल ब्लोइंग और सतर्कता' तथा 'सतर्कता ब?ाने में प्रौद्योगिकी की भूमिका'। प्रतियोगिता कक्ष संख्या 5 में प्रातः 11 से 12 तक आयोजित की गई और इसमें 50 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर प्राचार्या प्रो. सपना वर्मा ने मुख्य अतिथि श्रीमती निवेदिता भट्टाचार्य जी (IRS), डिप्टी कमिश्नर, सतर्कता विभाग का स्वागत पौध-गमला एवं स्मृति चिन्ह देकर किया । श्रीमती रीना मेहरोत्रा (सतर्कता अधिकारी) और मिस शुभ महाजन (निरीक्षक) का स्वागत भी स्मृति चिन्ह प्रदान करके किया गया। प्रतियोगिता में श्री आलोक रंजन (निरीक्षक) और श्री मनीष कर (सहायक) ने सतर्कता विभाग की ओर से कार्यक्रम का निरीक्षण किया । लाइब्रेरी लिपिक कुमारी नूतन ने कक्ष निरीक्षण में सहयोग किया। सतर्कता विभाग के असिस्टेंट कमिश्नर श्री चंद्र शेखर तिवारी ने प्रतियोगिता के आयोजन में विशेष सहयोग प्रदान किया। निम्न छात्राओं ने निबंध प्रतियोगिता में पुरस्कार और प्रमाणपत्र प्राप्त किए।

प्रथम पुरस्कार: मुस्कान अंसारी बी ए प्रथम सत्र
द्वितीय पुरस्कार: अंशिका विश्वकर्मा बी ए तृतीय सत्र
तृतीय पुरस्कार: बुशरा खान बी ए तृतीय सत्र
सांत्वना पुरस्कार: सामिया शाकिर बी ए पंचम सत्र
सांत्वना पुरस्कार: मानसी मिश्रा बी ए पंचम सत्र

सभी प्रतिभागियों को सतर्कता निदेशालय के अधिकारियों द्वारा सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। प्राचार्या प्रो0 सपना वर्मा एवं निर्णायक मण्डल के सदस्यों प्रो0 वंदना उप्रेती, प्रो0 सुमन मिश्रा, प्रो0 रुचि सक्सेना को सतर्कता निदेशालय की तरफ से स्मृतिचिह्न प्रदान किए गए। श्रीमती निवेदिता भट्टाचार्य जी ने छात्राओं द्वारा पूछे गए प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर धैर्य से दिया कि प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए क्या आवश्यक फार्मूला होता है ।

प्राचार्या प्रो0 सपना वर्मा ने सभी छात्राओं को आशीर्वचन देते हुए कहा कि जीवन को सकारात्मक तरीके से बिताये और स्वयं को नकारात्मक विचारों एवं नकारात्मक लोगों से दूर रखिए । प्रतियोगिता का संचालन प्रो0 सुमन मिश्रा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रो0 वंदना उप्रेती द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।